वर्ष 2012-13 के दौरान इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित लेखों की समीक्षा

पृष्ठभूमि

इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) की स्थापना भारतीय रेल के एक विस्तारित अंग को रूप में 27 सितंबर 1999 को कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों, रेल गाड़ियों और अन्य स्थानों पर खानपान और अतिथि सत्कार सेवाओं को बेहतर बनाने, उन्हें पेशेवर आयाम देने तथा उनका प्रबंधन करने तथा किफायती होटलों के विकास, विशेष टुअर पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु की गई थी। कंपनी को अपना कारोबार शुरू करने के लिए 2 दिसंबर 1999 को प्रमाणपत्र मिला। कम्पनी की अधिकृत पूंजी 50 करोड़ रुपए है और प्रदत्त पूंजी का हिस्सा 20 करोड़ रुपए है जो पूरी तरह से रेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई है। कम्पनी का पूर्णरूपेण कारोबार इसके कार्यात्मक बोर्ड की स्थापना के बाद 1 अगस्त, 2001 से शुरू हुआ।

वित्तीय निष्पादन की उपलब्धियां

वर्ष 2012-13 के दौरान, निगम को कुल 719.69 करोड़ रुपए की आमदनी हुई, जबकि 2011-12 में यह 554.11 करोड़ रुपए थी। आय में बढ़ोतरी मुख्यतः पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि होने कारण थी जहां वित्त वर्ष 2011-12 में राजस्व में 98.95 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2012-13 में 188.71 करोड़ रु. हो गया।

वर्ष 2012-13 को दौरान, कर-पूर्व लाभ 92.41 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष 2011-12 में यह 76.54 करोड़ रुपए था।

पिछले पांच वर्षों का वित्तीय निष्पादन निम्नलिखित है:

क्र. सं.	विवरण	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13
1.	कुल आय	618.77	721.97	764.93	554.11	719.69
2.	कुल व्यय	536.68	614.73	620.69	462.83	611.24
3.	सकल मार्जिन	82.09	107.34	144.24	91.28	108.45
4.	कर पूर्व लाभ	73.85	94.76	129.79	76.54	92.41
5.	कर के लिए प्रावधान	27.35	31.71	69.00	28.00	33.57
6.	शुद्ध लाभ	46.50	63.05	60.79	48.54	58.84
7.	अनुपात					
(i)	सकल मार्जिन /कुल आय	13.27%	14.87%	18.86%	16.47%	15.06%
(ii)	कुल व्यय /कुल आय	86.73%	85.13%	81.14%	83.53%	84.93%

वित्त वर्ष 2012-13 में विभागीय खानपान से कुल राजस्व 241.15 करोड़ रुपए प्राप्त हुआ जबकि पिछले वित्त वर्ष 2011-12 में यह 197.64 करोंड़ रुपए था। विभागीय खानपान व्यवसाय के कुल राजस्व में वर्ष 2012-13 में गैर रेलवे खानपान (एनआरसी) इकाइयों का योगदान 28.64 करोड़ रुपए का रहा जबकि पिछले वर्ष यह योगदान 10.79 करोड़ का था। गैर रेलवे खानपान इकाइयों (एनआरसी) के राजस्व में बढ़ोतरी का मुख्य कारण नई गैर रेलवे खानपान इकाइयों को खोलना, फूड फैक्ट्री नोयडा का संचालन आदि है। लाइसेन्सी खानपान व्यवसाय से वर्ष 2012-13 में 21.44 करोड़ रुपए की आय हुई जबकि, वर्ष 2011-12 में यह आय 30.38 करोड़ रुपए थी। 8.94 करोड़ की कमी का मुख्य कारण लाइसेन्सी खानपान व्यवसाय को रेलवे को सुपुर्द करना था।

वर्ष के दौरान, 12 फूड/प्लाजा/फास्ट फूड यूनिट चालू किए गए, इससे संचालित हो रही इकाइयों की संख्या 107 हो गई। आईआरसीटीसी ने रेलवे खानपान के अलावा, विभिन्न संस्थानों और मंत्रालयों में उनके अपने ही स्थल पर किफायती और उचित दरों पर खानपान सुविधाओं की व्यवस्था करके अपनी पहचान बनाई है। गैर रेलवे क्षेत्र के अंतर्गत वर्ष के दौरान विभिन्न स्थानों पर 44 इकाइयां खोली गई हैं जिससे ऐसी इकाइयों की संख्या 83 तक हो गयी है।

आईआरसीटीसी के सेन्ट्रल किचन की उत्पादन क्षमता 10,000 भोजन प्रतिदिन की है। यहां से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में नोएडा/ग्रेटर नोएडा/गुडगांव के कॉरपोरेट क्षेत्रों में भोजन की आपूर्ति की जा रही है। सेन्ट्रल किचन से नई दिल्ली/हजरत निजामुद्दीन से चलवे वाली सभी राजधानी और दूरंतो विभागीय गाड़ियों में 6000 से अधिक और अहमदाबाद राजधानी और सियालदह दुरंतों में 2000 भोजन की प्रतिदिन आपूर्ति की जा रही है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, वर्तमान क्षमता से अधिक की मांग बढ़ने पर इसकी पूर्ति करने के लिए 10,000 भोजन प्रतिदिन की इसकी क्षमता को बढ़ाकर 25,000 भोजन प्रतिदिन किया जाएगा।

आईआरसीटीसी के वेबसाइट के जरिए टिकट बुक करने की संख्या वित्त वर्ष 2012-13 में 14.06 करोड़ तक पहुंच गई है, जबकि, पिछले वर्ष 11.61 करोड़ टिकट बुक किए गए थे। बेचे गए टिकटों में पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

आईआरसीटीसी मोबाइल से टिकट बुक करने कि दिशा में एक कदम और आगे बढ़ी है। माननीय रेलमंत्री जी नें 28 जून 2013 को एसएमएस से टिकट बुक करने की सुविधा का उद्घाटन किया। इस सेवा हेतु किसी इंटरनेट सुविधा की आवश्यकता नहीं होती। इस उपयोगकर्ता हितैषी सेवा का इस्तेमील करते हुए मोबाइल का उपयोग करने वाले कोई भी व्यक्ति अब अपना टिकट बुक कर सकता है।

यात्रा एवं पर्यटन व्यवसाय से वर्ष 2012-13 में 188.71 करोड़ रुपए की आय हुई, जबकि वर्ष 2011-12 में 98.95 करोड़ रुपए की आय हुई थी और इस प्रकार 90.71 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। उपर्युक्त के अतिरिक्त, ओड़िसा पर्यटन विकास निगम (ओटीडीसी) के अनुरोध पर आईआरसीटीसी ने एक ओड़िसा सर्किट बुद्धिष्ट ट्रेन चलाई है जो ललितगिरी, रतनागिरी, उदयगिरी, धौली हिल, भुवनेश्वर आदि स्थानों की यात्रा करवाती है।

कुल 639 यात्रियों ने 25 फेरों में महाराजा एक्सप्रेस ट्रेन की सेवा का लाभ उठाया। इसके माध्यम से आईआरसीटीसी ने पर्यटन के क्षेत्र में लग्जरी गाड़ियों के मामले में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है।

आईआरसीटीसी ने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य सरकारों द्वारा प्रोत्साहित 'राज्य तीर्थ यात्रा योजना' के तहत इन राज्यों के बुजुर्ग निवासियों के लिए सर्वसमावेशी तीर्थ यात्रा पैकेज की व्यवस्था की है और इस योजना के तहत 97 यात्राएं परिचालित की गई जिसका 96123 यात्रियों ने लाभ उठाया।

आईआरसीटीसी नई दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र के डीएमआरसी स्टेशनों पर फूड किओस्क खोलकर रिटेल व्यवसाय के क्षेत्र में प्रवेश कर रही है।

भारतीय रेल पर बोतलबंद पीने के पानी की पूर्ति हेतु अम्बरनाथ में एक नया संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिसके दिसंबर 2013 तक चालू हो जाने की संभावना है। कंपनी के स्वामित्व वाले एक और संयंत्र को बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में खोलने के लिए निविदाएं आमंत्रित की जा रही हैं। पीपीपी माडल पर अमेठी, अंबाला, ललितपुर, परस्साला (त्रिवेन्द्रम) में चार संयंत्र स्थापित किए जाने के लिए निविदाओं पर कार्यवाई शुरू कर दी गई है।

वित्त वर्ष 2012-13 में रेलनीर का कुल राजस्व 56.33 करोड़ रुपए रहा जबकि वित्त वर्ष 2011-12 में यह 45.15 करोड़ रुपए था। इसमें विभागीय खानपान द्वारा बेचे गए रेल नीर की 15.49 करोड़ रु. की राशि शामिल नहीं है जो पिछले वर्ष 2011-12 में 13.05 करोड़ रुपए थी।

रेल मंत्रालय, भारत सरकार के साथ वित्त वर्ष 2011-12 के लिए हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार निगम के कार्यनिष्पादन को 'उत्कृष्ट' का दर्जा प्रदान किया गया है।

<u>पुरस्कार/सम्मान</u>

विभिन्न क्षेत्रों में कॉरपोरेशन के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को देखते हुए 2012-13 के दौरान इसे निम्नलिखित पुरस्कार दिए गए:-

- सार्वजनिक उद्यम संस्थान द्वारा सीएसआर कॉरपोरेट गवर्नेंस पुरस्कार- नवंबर 2012 में।
- कागज रहित एस एम एस ई-टिकट शुरू करने के लिए अर्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा ग्लोबल ग्रीन पुरस्कार- दिसंबर 2012 में।
- विश्व की प्रमुख लग्जरी ट्रेन के लिए महाराजा एक्सप्रेस को वर्ल्ड-ट्रैवल-पुरस्कार- दिसंबर, 2012 में।
- भाष्कर समूह द्वारा उपभोक्ता उद्योग कोटि में इंडिया प्राइड पुरस्कार- जनवरी, 2013 में।
- फ्रेन्चाइजी इंडिया द्वारा लेजर एंड ट्रैवेल कोटि में ई-रीटेल पुरस्कार- फरवरी, 2013 में।
- दलाल स्ट्रीट इन्वेस्टमेंट जर्नल द्वारा सर्वश्रेष्ठ पीएसयू पुरस्कार- मार्च, 2013 में।